

[illegible]

वर्मषष्ठमूदा॥ ॥ छद्दिगंवीजंवीनध्वनक्षयक

द्विचक्रमहावीजवीजाश्चक्रवृक्षगणपतीजवीजवीज

स्वयं भुंक्तुं यि स्य न संभ्रावधना ॥ १० ॥ गगगुं नि

॥ उच्यते ननु वक्ष्येति ननु नृणां भावाद्वाच्यं नृणां लक्षणं

पिंगलक ॥ ५ ॥ ॐ गद नू कं पा कृ पा गुरु द वी २

दुःखमात्रविघ्ननासनीदवी॥ ॥ यज्ञतयनोद्धी

सिद्धमालाश्वमेकचक्रिकयालनीलोत्पला॥

॥ व्याघ्रवर्मवसुपुत्र्यालिहाश्वबलंम्बा

五十二

卷之四

卷之五

ममिमकृच्छ्रचक्रुडादिधविद्या २ चउचक्रपाउमः
 लिलपचमध्वनीसूर्यरुमिभानुवावाहुरुवर्न
 ॥ ॥ स्वप्नमायासदृशरावपविहावना. वृद्धः
 धर्मसंप्रदायनागमीये २ गुर्वचनमभिवगकः
 धविद्यागभवतिसूत्रकवृज्जन्मरुन्मभानुवृद्ध
 भवर्षी ॥ ६३ ॥ ॥ नागललिक ॥ अर्लपंचनश
 मंरुक्रमाना २ मगधवकिवधसंकाशयहा ॥ क
 ॥ यवपीमंरुधासंडुवनयापिका २ हृष्टारवकव
 वदहिनकवधविना ॥ ॥ वामपूरुकधवपी
 एनुवाया २ पप्रप्रकाशनदहा ॥ ॥ दहिनवा

मकवधनगवधानी २ वडवमानदर्पवाधप्रहा.
 ना ॥ ॥ रुगकनपालनाथप्रमृदिमरुदया २
 अहिमरुसूरवरुलवलप्रसादा ॥ ॥ ६३ ॥ ॥
 नागधनापी ॥ गरुमुखठिनयनकादवपदन
 न्याधिपअहिगरुधना २ मनिमूकवलाहवध
 कनुशिकिवधसंकाश ॥ ॥ माविद्याविष्णुमा
 विद्यादर्पमाविद्यादृष्टवविनाशिक २ मावि
 यामानामानसकृताः भववपददृष्टवविना
 शिका ॥ ॥ पनगुवाधकृशवकृष्टहिंदिया
 वदहिनकना २ मगलधनूरवहागवत्यनकन

पुस्तक संख्या १०

उपमा इयनि कुलाला २ सकल दवग भवंदि
कपा दं ॥ ५॥ भेडी आदि वृद्ध श्री मं हु क माना
२ सं अहि वंदि कप पन नृ पृथ्वी ॥ ॥ कुं क
मनु चिना सनु चिन विषमा २ नृ न्या नि गं ही ना
कनु ल विहा ना ॥ ॥ विषय विषम कुल पानं
गमन स २ विषय व्यापि क श्री गुरु स्वयं दु ॥ ॥
सक गुन पन माय विंदु जाना २ गव नि कव
भी कप तव कुलि भा ॥ ॥ ५॥ नाग रे नवी
॥ पूर्व विज्ञा य भी हंस मानू टा कन कव र्भू अ
रु सु उ ध वा २ उरु न मा ह र्भनी वृष वा ह

न. च उ ध व न डि मूल मयू च ध वा ॥ ५॥ हुं
हं अरु र म म न. नील वा न स हि ना अरु र
न व ग म प नि स हि ना २ अरु र आ दि अ म न स
भा रु प्र शा ना. सू म न स पा प रु र्भ ॥ ॥
प नि म इ द्रा य भी ह कि वा हा न. कुं क म व र्भू
व रु ह र्भ २ द कि ल वा वा ही प न धा न रू प
सं क र्भ स हि क म हि पा नू टां ॥ ॥ ५॥ म न
व धि का द वी क म व र्भू र्भ. क व नि व काल उ
म नू स हि ना २ अरु र न दि र्भ. की मा वी मयू च
वा हा न व रु ला ना स व र्भू म कि ह र्भ ॥ ॥

नेमस्यविष्णुवीदवीगन्तुवाहनः गजचक्रसहितमय
 वधावी॥ वायुयचामुष्मादवीककावसवीचाः सिंहवा
 हनत्वभधावी॥ ॥ अथ कूलनागाधो वनिपादि
 नकत्रपालनवदूर्गदवी २ प्रथमामिथीमात्राधि
 पात्रकुण्डलिमूगुनियस्यसिद्धिकवर्जः ॥ १०० ॥ ना
 गहेनवि॥ नमामिशक्तिनधातुकचक्षुकचकुचमू
 र्गुनिशालिगिना २ पंचसूतनपंचधनुस्वयंपाव
 धधर्मभालयस्वना॥ ५॥ नताहृदहृदगगन
 संसात्रधुधायामनाहननमासु २ पंचजिन
 स्वना॥ ॥ नमामिशक्तिपूजन्धनमद्विहि

नमामिशक्तिनकावर्जः

द्विवचपदायनी २ द्विनिहृदवधसर्वपापकृत्यं
 कदानयुष्मज्जमादुप्रदी॥ ॥ नमामिश्वर्म
 धातुवागीश्वनधादमहावयविर्मधुना २ धाद
 मनावधवृक्षमूनकाजासर्वदवयविर्मधुना
 ॥ ॥ नमामिवागीश्वनर्मधुलपमगिनिनि
 वासिना २ सस्वहिमादिनदुधवविनागिनप्रध
 मामिजिनचक्रं धना॥ १०० ॥ ॥ नागनाद
 ॥ नमामिशक्तिनपंचधर्मधातुस्वयंकु २ द्विद्वन
 अनुरुधधर्मधातुवागीश्वन ॥ ५॥ नमामिश
 क्तिनपंचजिननमासु २ द्वागुरुमिहाकिंमहा

नमामिशक्तिनकावर्जः

सूर्यवाया ॥ ॥ स्वर्गमर्षपातालकुवनधीर्क
 पाताल २३ चउनिबंरुनमहामूनिधवा ॥ ॥
 धर्ममीमिहहानमीमिहं २ नपालमधुल
 माभसूनास्ववृषी ॥ ॥ वामपूस्वधनधवा
 २ दहिनमीरुवज्जगवधावी ॥ ॥ श्रीलाक
 धनमधुलमहासूर्यवाया २ वाजाधिराज
 श्रीनयसुमधुवधव ॥ ॥ श्रीवजाचार्यबंध
 दरुआचार्य २ रुनयिवाक्वज्जुडिलाचनिना
 ॥ ॥ ॥ ॥ वागभृगमानमी ॥ दिउज्जकम्
 खनरुवर्धुडिनडा २ मूकटकभदिगमवा ॥

दिउज्जकम्

क॥ कनारुंरुं कनारुंरुं २ कनारुंरुं ॥ ॥
 वामकवाटकदहिनकविनि २ हाजरुनध
 सूर्यभरिता ॥ ॥ सूर्यमधुलमाभाताकुवम्
 वृनि २ वज्जमधिरुविरुषिता ॥ ॥ सगगुवच
 वलभिरगकधवा २ वज्जवावाहीकुंरुपायभन
 ल ॥ ॥ ॥ ॥ वागविहास ॥ दिउज्जकम्
 वरुवर्धु २ नग्नमूकटकभदिगमवा ॥
 ॥ ॥ नमादयीवृद्धाकिनीविश्वजननी २ डि
 कुवनव्यापिरुजिनहानदायनी ॥ ॥ दहि
 नकनवज्जविवासिरुदग्धकि २ वामकवाट

दिउज्जकम्

कचकुम्भनिर्सीपीवयि॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 माध्यादिद्यानगमनश्चलभोपुत्रववस
 कर्मप्रवर्धिता॥ ॥ श्रीविद्याधनीदेवीसूत्र
 नमहिता २ सकलजडिस्त्रिद्विहभमाता
 ॥ ॥ ६॥ नागमन्त्राद॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 कुरुआलंकरिता २ चतुर्भुजवक्रपुष्पकधन
 धनधारी॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीधरा २ सयनआसापनिपूजितउद्धाना
 ॥ दहिनग्रागधपति. वामश्रीमहाकावा २
 संगममधुलमाधुप्रकलितस्थिता॥ ॥

सहस्रसंज्ञावरायाविश्वव्यापिता २ अष्टम
 हारुयवक्रव्याधिविद्विहभमा॥ ॥ वज्रध
 नप्रसादा. दासहनयिया २ गुरुवन्दनभावा
 सिद्धिववप्रसादा॥ ॥ ६॥ ॥ नागकनदि॥
 श्रीमंरुनाथवलमहावीनविज्ञया २ चतुर्भु
 जवक्रधारीनागवासदहस्थव॥ ॥ ७॥ नमो
 भगवते वासुदेवाय २ जगदीश्वरजगन्मनु
 जवनव्यापिता॥ ॥ पुष्पकधनशुभपन
 मगुन्नाया २ श्रीधर्मधामस्थान. नयालम
 मुलआलंकरिता॥ ॥ जगन्नाथजगन्मनु

अष्टादश

五

जिनवनरुनयनि १५

[illegible]

शुद्धि
२०

नयनीयाशीलाकम्पवधगति ॥ ॥ २० ॥
 नागललित ॥ ॥ काल्यादिव्यस्थित अक्रूर
 शिवामसिनासिद्धिआलिंगमहिमिउवनं २
 पर्वलम्बादनकलिकरुंकावाअसूनागरु
 वमकर्मचवध ॥ ५ ॥ असूवरुयहनसंसूव
 दुसनादनमानवलमथनपापहनसं २ विवि
 धिविपूरवधुनंविप्रकुंदनंइत्यादिदमदिगजा
 शनं ॥ ॥ दहिनकर्हिधनप्रचधुडीमिलाव
 नंदयमनसासूमूर्तिगमं २ वामखण्ठांगवन
 वक्रकपाला रुवसमूद्रसागनमंउपानं ॥ ॥

मायाकाव २१

पानकन्दुवृवीवअट्टहसं विंदुवकुदंष्ट्राक
 बालवदनं २ व्याप्रचर्मनिवसननवमूमा
 ला अलिवलितवानमद्विहलदं ॥ ॥ गम
 वनिसूकवज्जगुनूकत्वध्यानं दहकावनाशनं
 माननन २ प्रदधर्ममसनसंघपविबक्रक
 धीमहाकावकवपादशवर्ष ॥ ॥ २० ॥ नाग
 दगमव ॥ मायाकालविंदुसहस्रशवीवाशमा
 हमानदर्पकादिप्रमायामाह ॥ ५ ॥ असंसाव
 असूव २ नागधषमाहकादिप्रनिवमासा ॥
 ॥ ॥ अनिमिषनयनदहधविद्या २ रुन्ममवी

五

बुद्धिमान् बुद्धिमान्

२कवंकरेववावरुमघा.सबसिऊनागचूक
 वृक्षा॥ ॥अहहहामाभीखपालनाग.प्रवधुम
 घावरुमहिबूहा २लकीवाना.कवरुवृक्षा.पू
 निरुमघामहापद्मा॥ ॥घावाभममभनप्रक
 टिबृक्षाभनकनाग.प्रवधुमघा २विलिकिलि
 लाववाअर्जुनवृक्षा.कलिकनागवर्षसमघा॥ ॥
 घादमउजाघादमउवनवउर्वकवदनाघादम
 नयना २रुनयिकर्धपावाखरुमवध.कालिवा
 जीविपूवापयिमदना॥ ॥००॥ वागभुवना॥
 धूम्रांगविबहुकवालि २हीषमधिगलकभव

नाग.मधुमन्॥ काल.इर्जमान॥ प्रमदिकादिदमरुमीसुं
 दविसन.भवमधुलसीस्थिरलयना २ वादमरुजवउ
 वदनहसाहिमा.वजवावाहीक १४ आलिंगम॥ ५॥
 रुंरुंरुंदहदिरुस्ववध.मानसयवसंधाधियाव २दंश
 आलिंगमअदयसंलाव.नाचयिदान.पीसमचलाया
 ॥ ॥ कलिंगपध.गजचर्मकुपूला.करिउमवसुख
 रिता २मर्कटकीकपालखर्चोरा.पाशपवसुवृक
 मिधुधवा॥ ॥ यभजिनववमकूटआलंकन.पुड
 मूजाआरुवधविरुधिना २ आलिकालिदूयीआलीठवा
 पयी.वापुचर्मनिवासनरुहृरु॥ ॥ नवगीलमाला
 लमश्रीसचवादिन्यवकजीनिकरुनहीया २ रुमरुम

५५

2849

[illegible]

2849

याग्रं राघमधुलमूरुमं ॥ २ ॥ सर्वलक्षणसंपूर्णं सर्वा
लक्षणवर्जितं ॥ समनरुडवाचाग्रं घोषमधुलसाव
धी ॥ ३ ॥ सर्वसत्त्वमहाचित्तं स्रुजं प्रकृतिनिर्मलं ॥ स
मनरुडचिरुपराघमधुलमूरुमं ॥ ४ ॥ संपूर्णं स
र्वजगत्तमनावधपदं सर्वनवाभादिनाः पित्वा सर्व
विकल्पमाहकवर्णजाकिनीहृत्काकिनाः यः चक्रं
पवित्रं हृत्किनयुतहानादयमाहपदं यस्यात्तस्य
रूपाहुनहस्यमनसानिस्पृष्टसंस्थयवह ॥ ५ ॥
रश्मिनां कमलपदस्योभिवसिकचपुगेडवकंस्कंधमो
लीवजादिव्यगुपापीपविगहनसंसीर्षमालेडमो
॥ वावाक्काशं दिकं थघनविवरविनानागचर्माह
नीपपायापीसंभवात्तुडुवनविजयीजाकिनीचक्रवर्ह ॥ ६ ॥

यन ॥ ७ ॥ हुं हयिरुं हृदकनं कवराशनाविहा
वाशोडमहाबलिपूजा ॥ ॥ समयानरुं हयागं
ववधवा २ वाहृविवाहृवचउमूर्खनयना ॥ ॥
सिक्तयकनककुडावलि ॥ ॥ राशुपूष्पिकनकस
माकुलवयन ॥ ॥ शोडमहाबलिपिहृवनग
यन २ मयमात्मकवृधिवज्राहावा ॥ ॥ ७ ॥
सम्बन्ध ६ न ६ किर्वेभाषकृष्ट ८ ससिद्धयकारुल ॥

पुष्पादिनामिका

2849

ASHA ARCHIVE

गागतेनवी॥ मध्येनरमहामनीकनकनाजितयुवादिदेहहृत्तजं
दियंरभयनरमदायनीउरुकरुहवनयैवर्नयचजीन
व्यापियात॥धर॥नमयैवधरवीसहस्रिजातवीसववीस
एतयचवर्ध॥मष्टद्विषानन